NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Maharishi Narad Jayanti Celebrated at CUH

Date: 19-05-2022 **Newspaper: Amar Ujala**

देवऋषि नारद की जयंती पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग दारा किया गया कार्यक्रम का आयोजन

निर्णय करना होगा कि खबर जनहित में है या नहीं : कुलपति प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यू एजेंसी

महेंद्रगढ़। आज का दौर सूचनाओं का दौर है। ऐसे में स्थलकों के महत्व को जानना, समझान जरूरी है। विशेषकर तथ जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हों। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवक्रिय नारद की बात करें तो वे लोकटित में पत्रकारित के लिए यूगी-यूगी तक बाद किए जाएँ। आज के नवीदित पत्रकारों को उनके जीवन में सबक लेते हुए लोकटित में पत्रकारिता करने चाहिए। यह विचार हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. रकेश्वर कामर ने मंगलवार को देवकापि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, विश्व संबाद केंद्र शरियाणा द्वारा आयोजित विशेषा व्यासवान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विशेषज्ञ यक्त विश्व संवाद केंद्र तरियाणा प्रांत के प्रकार प्रमुख राजेश कुमार तपश्चित गरे।

ग्रे. टेकेश्वर कमार ने कहा कि वर्तमान में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन स्टे



हकेंबिबि में नारद जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विशेष्ण वक्ता, शिक्षक व अन्य अतिविगण अंक

पत्रकारित को एक ऐसा विषय बताया जिसमें ग्रलीडिफिन्नवी ग्रेच के मध्य विकास करन जरूरी है। पत्रकार को विभिन्न विषयें की

खबर जनीतर में है और बाँच नहीं। उनोंने इसलिएइस क्षेत्र में सफलता के लिए निर्नत लगन, नजरअंदाय किया गया, विनवी जानकारी जन-नेक नीपत के साथ आगे बंद्रे और नप्ट सीखने के विशेष्त्रता के लिए किसी भी व्यक्ति का लिए संक्रिय हो। वक्ता रावेश कुमार ने मिकंदर, वैचारिक विमर्श हो वह माध्यम है तिसके आधर मुगल सामान्य का उदहरण देते हुए बताया कि । पर एक समान की खेन को विकसित कर उसे किस तरह से इतिहास में एक वैवारिक मत का जानकारी होने से उसके कार्य में निसार आता है। निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को जुबा, भाषी पत्रकारों से कहा कि वह अपने समय

जन के लिए आधारपक थी। उन्होंने कहा कि बेहतर दिशा में अवसर किया जा सकता है। उन्होंने

सूचना के दौर में सावधानी पर जोर विश्वविद्यालय के सात्र कल्याम अधिपाता है. आनंद रामों ने विद्यार्थियों को पत्रकारित के मूल्यों से अवनत कराया। विश्वविद्यालय के प्रावटर प्रो प्रमोद कृषार ने सृथना के इस दौर में सावधानी पर जोर दिया। बताव्य कि विधिन्त सृथनाओं के प्रमार थी जांच कितनी अच्छरणक है। आयोजन में मंच का मेनानन पत्रकारिता एवं जनसंसार विधान के प्रभारी आलेख एस नामक ने किया। आयोजन के भंत में प्रे. पवन मीर्च ने धन्यवाद जापन प्रस्तुत किया। इस अध्यस पर प्रे. सारिका शर्मा प्रे दिनेश कुमार गुपा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. विशेश चडल, डॉ. टिलब्बण मिंह, डॉ. मुरेंद्र कुमार सर्वेट विभिन्न निभाषी के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधाओं, शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

को संचार के विभिन्न मान्यमें पर व्यर्थ गंवाने की बजाय उन माध्यमी का प्रयोग अपनी समताओं के विकास पर लगाएं। विधिन्न विषयी पर वैश्वारिक विमर्श को बढ़ाएं। इससे वर्त में विश्व संवाद केंद्र के जिला प्रमुख केलाश पाली ने भी देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता पर ध्यानाकर्षित किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Dainik Bhaskar</u> Date: 19-05-2022

लोकहित में पत्रकारिता की प्रेरणा देते हैं देवऋषि नारद : वीसी

भास्कर न्यज महेंदगढ

आज का दौर सचनाओं का दौर है और ऐसे में सचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए यगों-युगों तक याद किए जायेंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हकेवि, महेंद्रगढ़ के कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमख श्री राजेश कमार



उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदले रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने

कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं। उनके इसी ऑकलन के अनरूप सचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिकंदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया जिनको जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर

उसे बेहतर दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। इस मौके पर उन्होंने यवा व भावी पत्रकारों से कहा कि वो अपने समय को संचार के विभिन्न माध्यमों पर व्यर्थ गंवाने की बजाय उन माध्यमों का प्रयोग अपनी क्षमताओं के विकास पर लगाए। विभिन्न विषयों पर वैचारिक विमर्श को बढाए और 2047 के भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दें। वो भारत जोकि सबल हो, सक्षम हो, सदद हो। आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी आलेख एस नायक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्यं ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तृत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. दिनेश कमार गप्ता, डॉ. प्रदीप कमार, डॉ. ए.पी.शर्मा, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. दिलबाग सिंह और डॉ. सरेंद्र कमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक. विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Dainik Jagran</u> Date: 19-05-2022

'लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते हैं नारद'

आज पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं

संबाद सहयोगी. महेंद्रगढ: आज का दौर सचनाओं का दौर है और ऐसे में सचनाओं के महत्व को जानना समझना बेहद जरूरी है, विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भमिका में हों। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए यगों-यगों तक याद किए जाएंगे। आज के नवादित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंबि), महेंब्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे। प्रो. टॅकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदल रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मुल्यों और लोकहित



हकेंबि नारद जटांती के अवसर पर आवोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व अन्य अतिबिगण® सौ, हकेंबि

में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को विकास करना जरूरी है प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के कहा कि एक पत्रकार व समय में पत्रकार को यह निर्णय करना विषयों की जानकारी होने होगा कि कौन सी खबर समाज व कार्य में निखार आता है जनहित में हैं और कौन सी नहीं। वक्ता राजेश कुमार ने अप उनके इसी ऑकलन के अनुरूप में सिकंदर व मुगल स सचनाओं का आदान प्रदान हो तो उदाहरण देते हुए ब्रताया

उनक इसा आकलन क अनुरूप सूचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। उन्होंने पत्रकारिता को एक ऐसा विषय बताया जिसमें विशेषज्ञता के लिए किसी भी व्यक्ति का मल्टीडिसिप्लनरी सोच के साथ विकास करना जरूरों है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है। विशेषज्ञ वक्ता राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिकंदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया, जिनकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी।

विकास करना जरूरी है। उन्होंने इससे पूर्व में विश्व संवाद केंद्र कहा कि एक पत्रकार को विभिन्न के जिला प्रमुख कैलाश पाली ने भी विषयों की जानकारी होने से उसके देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता कार्य में निखार आता है। विशेषज्ञ पर ध्यानाकर्षित किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मुल्यों से अवगत कराया। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के प्रोबटर प्रो. प्रमोद कुमार ने सूचना के इस वैर में सावधानी की आवश्यकता पर जार दिया। आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्राग के प्रभारी आलेख एस नावक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्व ने धन्ववाद प्रो. सारिका शर्मा, प्रो.दिनेश कुमार पुप्ता, डा. प्रदेग कुमार, डा. एपो. शर्मा, डा. दिनेश चहल, डा. दिलाबाग संह और डा. सुरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विश्रागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी आदि

वि के छात्र कल्वाण अधिष्वता प्रो. आनंद ने विषव पर प्रकाश छला और विद्यर्थियों को पत्रकारिता के मुल्वों से अवगत करावा



यो.टकेश्वर कुमार

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi Date: 19-05-2022

हकेवि में नारद जयंती पर व्याख्यान

- लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते देवऋषि नारद- प्रो . टंकेश्वर
- विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार ने किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज महेंदगढ़

आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबिक आप एक पत्रकार की भूमिका में हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जाएंगे,



महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता, शिक्षक व अन्य अतिथिगण।

आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagmarg Date: 19-05-2022

लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते हैं देवऋषि नारद : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़,(जगमार्ग न्यूज)। आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की

भूमिका में हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वो लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों – युगों तक याद किए जायेंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी



चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो टेकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रवार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे। प्रो. टेकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदले रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं। उनके इसी आंकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। उन्होंने पत्रकारिता को एक ऐसा विषय बताया जिसमें विशेषज्ञता के लिए किसी भी व्यक्ति का मल्टीइिस्विनरी सोच के साथ विकास करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 19-05-2022

लोकहित में <mark>पत्रकारिता</mark> का सबक देते हैं देवऋषि नारदः प्रो. टंकेश्वर

■हकेंवि में नारद जयंती पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 18 मई (परमजीत, मोहन): आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबिक आप एक पत्रकार की भूमिका में हो।

आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जाएंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यानको संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा



संबोधित करते राजेश कुमार।

प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदल रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन-सी खबर समाज व जनहित में है और कौन-सी नहीं। उनके इसी आकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान-प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है।

एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है इसलिए निरंतर लगन

वैचारिक विमर्श से ही समाज की सोच की जा सकती है विकसित: राजेश

आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिकंदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया जिसकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी।

उन्होंने कहा कि वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर उसे बेहतर दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। इस मौके पर उन्होंने युवा व भावी पत्रकारों से कहा कि वे अपने समय को संचार के विभिन्न माध्यमों पर व्यर्थ गंवाने की बजाय

व नेक नीयत के साथ आगे बढ़े और

उन माध्यमों का प्रयोग अपनी क्षमताओं के विकास पर लगाएं।

विभिन्न विषयों पर वैचारिक विमर्श को बढ़ाएं और 2047 के भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दें। इससे पूर्व में विश्व संवाद केंद्र के जिला प्रमुख कैलाश पाली ने भी देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता पर ध्यानाकर्षित किया।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने सूचना के इस दौर में सावधानी की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि विभिन्न सूचनाओं की प्रमाणित की जांच कितनी आवश्यक है।

आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी आलेख एस. नायक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

नया सीखने के लिए तत्पर रहे।